मंदिर-संस्कृति की रक्षा हेतु कार्यरत संगठन !

मंदिर महासंघ छत्तीसगढ़

7219361411 mahasangh.mandir@gmail.com

पत्राचार हेतु पता : मकान नं. I2, शताब्दी नगर, रायपुर (छ.ग.) 492 001.

- मंदिरों को सरकारीकरण से मुक्त करना
- मंदिरों की परंपराओं की रक्षा करना
- मंदिरों में वस्त्र संहिता लागू करना
- मंदिर परिसर मांस-मदिरा मुक्त करना

दिनांक : 22.04.2026

॥ प्रेस विज्ञप्ति ॥

मुख्यमंत्री ने मंदिर भूमि के धान पंजीकरण व खरीदी पर दिया सकारात्मक आश्वासन !
मंदिर महासंघ, छत्तीसगढ़ का भव्य शुभारंभ !

रायपुर: छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में 'मंदिर महासंघ, छत्तीसगढ़' का विधिवत एवं भव्य शुभारंभ हुआ। माँ बम्लेश्वरी के चरणों में वंदन और पूज्य संतों के मंगलमय आशीर्वाद के साथ आरंभ हुए इस महासंघ का उद्देश्य प्रदेश के समस्त मठ-मंदिरों को एक सूत्र में पिरोकर उन्हें धर्म, संस्कार और समाज सेवा के अभेद्य केंद्रों के रूप में स्थापित करना है।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए मंदिर न्यासों के प्रतिनिधि, धर्माचार्य और हिंदू समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में यह संकल्प लिया गया कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान मात्र न रहकर, हिंदू समाज के सर्वांगीण विकास और मार्गदर्शन के आधार स्तंभ बनेंगे।

मंदिर महासंघ के शुभारंभ के तत्काल पश्चात, एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णु देव साय जी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री जी को मठ-मंदिरों की वर्तमान स्थिति और उनकी समस्याओं से अवगत कराते हुए एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा । जिसमे महासंघ ने मुख्यमंत्री जी के समक्ष प्रमुखता से मांग रखी कि मठ-मंदिरों की भूमि पर उत्पादित होने वाले धान का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए और शासन द्वारा उस धान की विधिवत खरीदी की जाए । मुख्यमंत्री जी ने इस विषय पर अत्यंत सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाया और आश्वस्त किया कि मंदिरों के धान पंजीकरण और खरीदी की प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु इस विषय को आगामी मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की बैठक में चर्चा हेतु रखा जाएगा ताकि त्वरित निर्णय लिया जा सके ।

महासंघ द्वारा अन्य मांगे रखी गयी जिसमे मंदिरों द्वारा उत्पादित धान पर भी किसानों की भांति ही बोनस प्रदान किया जाए, जिससे मंदिरों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा सके । और प्राकृतिक आपदाओं के समय मठ-मंदिरों को होने वाली क्षति के लिए शासन की ओर से आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराने का विषय शामिल है ।

मंदिर महासंघ के राष्ट्रीय संगठक श्री सुनील घनवट और छत्तीसगढ़ संयोजक श्री मदन मोहन उपाध्याय ने महासंघ की दूरगामी कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मंदिरों के सुव्यवस्थित

संचालन हेतु पुजारियों एवं न्यासियों का प्रशिक्षण करना और मंदिरों की कृषि भूमि व संपत्तियों का सदुपयोग सुनिश्चित करना। चतुर्विध व्यवस्थाएँ: प्रत्येक सक्षम मंदिर में पुनः गौशाला (गौ संरक्षण), यज्ञशाला (अनुष्ठान), पाकशाला (रसोई) और पाठशाला (गुरुकुल) की स्थापना करना। धार्मिक संरक्षण: मंदिरों को केवल पर्यटन स्थल न मानकर उन्हें अध्यात्म और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार का सशक्त माध्यम बनाना यह महासंघ के आगामी उद्येश्य है।

मुख्यमंत्री जी से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव जी उपस्थित थे, जिन्होंने मंदिर संरक्षण के इस पुनीत कार्य में अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। उनके साथ मंदिर महासंघ के राष्ट्रीय संगठक श्री सुनील घनवट, छत्तीसगढ़ संयोजक श्री मदन मोहन उपाध्याय, हिंदू जनजागृति समिति के समन्वयक श्री हेमंत कानस्कर, कोर समिति सदस्य श्री आशीष परेडा, श्री धर्मेश कुमार अठनागर, श्री किशन साहू, श्री चंद्रशेखर सिंह राजपूत, श्री रोहित सिंह तिरंगा, श्री पुष्पकांत शर्मा, श्री ओमप्रकाश सिन्हा, श्री रामकृष्ण सिन्हा एवं अन्य हिंदुत्वनिष्ठ व गौरक्षक उपस्थित रहे।

मंदिर महासंघ, छत्तीसगढ़ का यह अभिनव प्रयास न केवल मंदिरों की स्वायत्तता सुनिश्चित करेगा, बल्कि यह प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री जी के सकारात्मक आश्वासन से प्रदेश के समस्त मंदिर प्रबंधनों और हिंदू समाज में हर्ष का वातावरण है।

आपका नम्र

श्री मदनमोहन उपाध्याय, संयोजक,
मंदिर महासंघ, छत्तीसगढ़
संपर्क क्र. 9826114446

आपका नम्र

श्री सुनील घनवट राष्ट्रीय संगठक,
मंदिर महासंघ
संपर्क क्र. 7020383264